न:- एशिया का जनसंख्या वितरण प्रारूप को बताइए।

विश्व में जनसंख्या के वितरण के सबसे बड़ी विशेषता उसके विभिन्न भू-भागों में वितरण की असमानता का होना है। विश्व के 50% जनसंख्या उसके केवल 5% भू-भाग पर निवास करती है। ठीक इसके विपरीत 50% स्थल भाग पर केवल 5% जनसंख्या निवास करती है। वास्तव में बहुत थोड़ा भू-मंडलीय भाग सघन बसा है जबकि अत्यंत विस्तृत भू-भाग या तो विरल आबाद है अथवा जन-शून्य है। एशिया महाद्वीप का क्षेत्रफल विश्व का 20% है लेकिन यहाँ विश्व की 50% से अधिक जनसंख्या निवास करती है। एशिया के चीन एवं भारत जैसे देशों में विश्व की जनसंख्या का 1/3 भाग निवास करता है, जबकि दूसरी ओर उत्तरी एवं मध्यवर्ती भागों में जनसंख्या का अभाव न के बराबर है।

विश्व जनसंख्या 2004 के मध्य में 6.396 बिलियन पहुंच गई थी। इसमें से 81.25% विकासशील क्षेत्रों (जैसे:- एशिया) तथा बाकी 18.75% विकसित देशों में निवास करती है।

एशिया महाद्वीप विश्व की अधिकतम (3.875 बिलियन जनसंख्या निवास करती है। विश्व का सबसे अधिक जनधार वाला महाद्वीप है। चीन का सबसे अधिक जनसंख्या (1300 मिलियन) वाला देश है। इस अकेले देश की संख्या संपूर्ण विकसित देशों की कुल जनसंख्या से अधिक है। 2004 में भारत (1087 मिलियन) जनसंख्या के साथ, चीन के बाद दूसरे नंबर पर है। एशिया में इसके बाद इंडोनेशिया (219 मिलियन), पाकिस्तान (159 मिलियन), जापान (125 मिलियन) का स्थान है। अधिक जनसंख्या वाले अधिकांश देश एशिया महाद्वीप में स्थित है। जनसंख्या घनत्व के मामले में भी एशिया सबसे आगे है।

एशिया में 1984 से 2004 तक की अपने अवधि में अपने घनत्व में 21 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर की बढ़ोतरी की है। यह एक संगीन मामला है खासकर ऐसी परिस्थिति में जबकि वर्तमान संसाधन सिमित है और सामाजिक आर्थिक विकास के कदम भी धीमी रफ्तार पर है। जनसंख्या घनत्व की यह तेज वृद्धि इसलिये है, क्योंकि यहाँ के अधिकांश देश जनांकिकीय संक्रमण के दूसरे चरण में और वृद्धि के विस्फोट दौर से गुजर रहे हैं।

जनसंख्या का असमान वितरण:-

एशिया में जनसंख्या के अधिकता के साथ-साथ जनसंख्या का वितरण भी असमान है। क्रेसी के अनुसार एशिया में अनेक स्थान ऐसे हैं जहाँ कम मानव निवास करते हैं और अनेक ऐसे स्थान है जहाँ बहुत अधिक जनसंख्या में मानव निवास करते हैं। एशिया का लगभग 1/3 भाग जो एशियाई रूस के अंतर्गत है वहाँ जनसंख्या बहुत कम है। दूसरी ओर चीन, भारत, जापान इंडोनेशिया, पाकिस्तान आदि मानसूनी जलवायु वाले दक्षिण-पूर्वी

एशिया के देशों के भाग में जहाँ जनसंख्या इतनी अधिक है कि मानव बसाव के लिए भूमि नहीं है। एशिया महाद्वीप की जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले निम्नलिखित तत्व है:-

(a) (i) भौगोलिक स्थिति
(ii) जलवायु स्थिति
(iii) मिट्टी
(iv) खनिज पदार्थों की उपलब्धता
(v) जल की प्राप्ति

(i) भौगोलिक स्थिति :-

जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाली एक प्रमुख कारक स्थलाकृति है। लोग पर्वत और पहाड़ों की तुलना में मैदानी भाग में ही रहना पसंद करते हैं क्योंकि मैदानी प्रदेश में ही कृषि-विनिर्माण और सेवाएँ भली भाँति विकसित होती है। विश्व के स्थल क्षेत्र के लगभग आधे पर मैदान पाये जाते हैं लेकिन यही मैदान विश्व की 90% से अधिक जनसंख्या का पालन-पोषण करती है।

(ii) जलवायु स्थिति :-

लोग अत्यधिक ठंडे या गरम प्रदेशों वाली जलवायु में रहना पसंद नहीं करते हैं, यही कारण है कि अफ्रीका के विषुवतीय प्रदेश रूस और (आस्ट्रेलिया) कनाडा के ध्रुवीय क्षेत्र तथा अंटार्कटिका लगभग निर्जन हैं। मरुस्थल भी लोगों को पालन-पोषण नहीं कर पाता है। समान्य वर्षा वाले शीतोष्ण जलवायु प्रदेश घने बसे हुए हैं। पूर्वी एशिया और पश्चिमी यूरोप के देश इसीलिए सघन आबाद है।

(iii) मिट्टी :-

मृदा कृषि को प्रभावित करने वाला एक मुख्य कारक है। मृदा से हमें अपने भोजन वस्त्र और चारा मिलता है। इसीलिए भारत में गंगा और ब्रह्मपुत्र, चीन में हुआंग हो और यांग-ज़ियांग तथा मिस्र में नील नदी के उपजाऊ मैदान घने आबाद है या बसे हुए क्षेत्र है।

(iv) खनिज पदार्थों की उपलब्धता :-

खनिजों का भंडार एक और मुख्य कारक है। संसार के विभिन्न भागों में खनिजों की खोज ने लोगों को आकर्षित किया है। दक्षिण अफ्रीका की हीरे की खान तथा मध्यपूर्व के तेल क्षेत्रों की खोज इसके कुछ उदाहरण है।

(v) जल की प्राप्ति :-

कहा गया है कि 'जल ही जीवन है' जल कृषि और मानव विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। मरुस्थल भागों में जल की कमी के कारण वहाँ विरल आबाद है।

(b) समाजिक एवं सांस्कृतिक कारक :-

(i) औद्योगिक विकास
(ii) कृषि अर्थ व्यवस्था
(iii) समाजिक व्यवस्था
(iv) राजनीतिक व्यवस्था
(v) याता यात के साधन

(i) **औद्योगिक विकास** :- जिन भागों में मनुष्य को जीवन निर्वाह के लिए रोजगार सुविधापूर्वक मिल जाता है वहाँ अधिक संख्या में मानव निवास करना पसंद करता है। जैसे कि जापान एशिया का सबसे अधिक उद्योग-धन्धों में विकसित देश है तथा वहाँ जनसंख्या भी अधिक है। अतः औद्योगिक भी जनसंख्या वितरण पर प्रभाव डालता है।

(ii) **कृषि अर्थ व्यवस्था** :- एशिया में जिन भागों में नदियों द्वारा लाकर बिछाई गई काँप मिट्टी मिलती है वहाँ जनसंख्या अधिक मिलती है; क्योंकि जनसंख्या के लिए उन भागों में कृषि करने के लिए सुविधाएँ मिलती है।

(iii) **राजनीतिक कारण** :- राजनीतिक कारणों से उत्पन्न युद्ध भी जनसंख्या वितरण को प्रभावित करती है। जैसा कि युद्ध के समय जापान सरकार ने अपने देश में जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा दिया था।

(iv) यातायात के साधन :- जापान, भारत तथा चीन में जनसंख्या की अधिकता में यहाँ के यातायात के साधनों ने सहयोग दिया है। अतः विकसित यातायात के साधन भी जनसंख्या के वितरण पर प्रभाव डालते हैं।

(v) **सामाजिक व्यवस्था** :- एशिया के नदी-घाटियों की सभ्यता यहाँ के सामाजिक जीवन को मधुर बनाती है अतः यहाँ जनसंख्या अधिक मिलती है।

एशिया में जनसंख्या के वितरण के आधार पर इसे तीन भागों में बाँटा गया है -
(i) अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र
(ii) मध्यम जनसंख्या वाले क्षेत्र
(iii) कम जनसंख्या वाले क्षेत्र

(i) **अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र** :- एशिया के दक्षिणी एवं दक्षिणी-पूर्वी भागों में मानव के निवास के लिए सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं इसलिए इस भागों में एशिया के लगभग 70% से अधिक जनसंख्या निवास करती है। इस तरह से एशिया के एक-तिहाई भाग पर लगभग 2/3 मानव निवास करते हैं। नीचे कुछ अधिक जनसंख्या वाले देशों का विवरण दिया गया है -

एशिया के अधिक जनसंख्या वाले देश (2006)

देश	जनसंख्या (लाख)	घनत्व प्रति/किमी.
चीन	13,114	137
भारत	11,218	342
बंग्लादेश	1,466	1022
जापान	1,278	339
इंडोनेशिया	2,225	119
पाकिस्तान	1,658	208

(ii) **मध्यम जनसंख्या वाले क्षेत्र** :- एशिया के कुछ भाग ऐसे हैं जहाँ मानव निवास के लिए सभी सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए इन भागों में एशिया की 22% जनसंख्या निवास करती है। यहाँ के निवासियों का प्रधान व्यवसाय कृषि है। जलवायु की उपयुक्त दशाओं के अनुसार पशुपालन का कार्य भी यहाँ होता है। जनसंख्या की वृद्धि दर यहाँ कम है। हम इसके देशों को निम्न तालिका में देख सकते हैं -

एशिया के मध्यम जनसंख्या वाले क्षेत्र (2006)

देश	जनसंख्या (लाख)	घनत्व/वर्ग किमी.
टर्की	737	95
म्यांमार	510	75
थाईलैंड	652	127
नेपाल	260	177

(iii) कम जनसंख्या वाले क्षेत्र :- ये वह क्षेत्र है जहाँ मानव निवास के लिए सुविधाएँ प्राप्त नहीं है। इस क्षेत्र का अधिकांश भाग पहाड़ी पठारी अथवा मरुस्थलीय है। एशिया के गर्म एवं शीत मरुस्थल इसी क्षेत्र में आते हैं। यहाँ की जलवायु एवं प्राकृतिक परिस्थितियाँ मानव निवास के अनुकूल नहीं है। इस भाग में केवल 8% जनसंख्या निवास करती है जबकि यह भाग एशिया के आधे क्षेत्रफल घेरे हुए है। जनसंख्या के कमी के कारण यहाँ जनसंख्या का घनत्व भी बहुत कम है। नीचे कुछ कम जनसंख्या वाले क्षेत्रों का विवरण दिया गया है -

एशिया के कम जनसंख्या वाले क्षेत्र (2006)

देश	जनसंख्या (लाख)	घनत्व / किमी.
साऊदी अरब	261.0	11
जोर्डन	56.0	63
ईराक	296.0	67
ईरान	703.0	43

विकासशील देशों की 74% जनसंख्या एशिया में निवास करती है। जनसंख्या की दृष्टि से एशिया के प्रमुख देश चीन, भारत, बंगलादेश, इंडोनेशिया, पाकिस्तान है जो कृषि प्रधान देश है तथा जनसंख्या का घनत्व उच्च है। हलाँकि ये देश अधिकतर गहन कृषि वाले तथा धान की खेती वाले है फिर भी इनके ग्रामीण क्षेत्रों में आनावश्यक श्रमिकों की संख्या उच्च है। यह बात (गुप्त बेरोजगारी) मन को खटकती है कि इस प्राचीन सभ्यता एवं विलक्षण मानवीय उपलब्धीयों वाले महाद्वीप से बड़े पैमाने पर कभी भी बाह्य प्रवास क्यों नहीं हुआ। जैसा कि यूरोपियों देशों से एशिया, अफ्रिका, अमेरिका आदि की ओर हुआ। ऐसा प्रतित होता है कि एशिया के ज्यादातर विकासशील देशों में उत्पादकता भी उच्च रही है। इसके कई कारण है - (i) बाल विवाह

(ii) परंपरागत आर्थिक समुदायों में बच्चों का अधिक महत्व

(iii) बच्चों का बाल श्रमिकों के तौर पर काम करना

(iv) बूढ़े माँ-बाप की बच्चों पर निर्भरता

(v) स्त्रियों के लिए रोजगार की कमी

इन सब के बावजूद यहाँ के बड़े देशों में जैसे कि चीन एवं भारत में 70 वर्षों में सराहनीय प्रगति की है, ये अपनी उत्पादकता दर को 50 के स्तर से कम करके 30 के नीचे (भारत) एवं 17 (चीन) के स्तर पर ले आये है। मृत्युदर को भी काफी सीमित किया जा चुका है अतः अब जो भी ह्रास उत्पादकता दर में आयेगी उसका सीधा असर यहाँ की जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि दर पर होगा।

इस प्रकार हम देखते है कि एशिया में क्षेत्रीय विभिन्नताएं बहुत पायी जाती है। यहाँ उच्च जनसंख्या घनत्व एवं निम्न जनसंख्या वाले क्षेत्र एक दूसरे से सटे हुए है ऐसा शायद इसलिए है कि एशिया एक कृषि प्रधान क्षेत्र है अतः जितनी भी अच्छी एवं उपजाऊ भूमि है वह आवासीत की जा चुकी है।

एशिया जनसंख्या का घनत्व